आज

बरेली जनपद

९ नवम्बर २००९ बरेली

ह्यूस्टन में अपने अंदाज में शायरी करते अर्न्तराष्ट्रीय शायर प्रो.वसीम बरेलवी।

ह्यूस्टन में मनाया जश्न-ए-वसीम

वसीम बरेलवी अली सरदार जाफरी अवार्ड से सम्मानित

बरेली। वसीम बरेलवी की शायरी की लोकप्रियता काफी अर्सा पहले हिन्दुस्तान की सरहदों को पार कर चुकी है। अमेरिका के अलावा एशिया के कई देशों में वे अपने कलाम पढ़ चुके है। दो साल पहले अमेरिका के जिस ह्यूस्टन शहर में गत ६ नवम्बर की शाम उन्हें जश्न -ए-वसीम कार्यक्रम में उर्दू साहित्य में उनके योगदान के लिए अली सरदार जाफरी लिटरेरी अवार्ड से नवाजा गया। आस्टिन अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी आफ टैक्सास के प्रोफेसर तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अकबर हैदर ने उन्हें अवार्ड तथा एक लाख रूपये का चेक प्रदान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए पाकिस्तान के मशहूर शायर अब्बास तबिश ने कहा कि वसीम बरेलवी की शख्सियत उनकी शायरी की तरह ही खूबसूरत है। कार्यक्रम के संयोजक परवेज जाफरी ने कहा कि वसीम बरेलवी द्वारा सरल शब्दों में लिखी गयी गजले आम आदमी के दिल को छूती है। यही उनकी मकबूलियत का राज है अपनी सादगी और सच्चाई की वजह से वह आज आला मुकाम पर है। भारतीय शायर मेराज फैजाबादी ने वसीम बरेलवी के उर्दू शायरी में योगदान पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में वसीम बरेलवी ने कहा कि आज दुनिया में हर तरफ आर्थिक राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अशांति है। ऐसे माहौल में पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के उर्दू पाठयक्रम में ऐसी शायरी को शामिल किया जाना चाहिए जो छात्रों में मानवीयता और आशावाद उत्पन्न कर सके। ह्यूस्टन के पाकिस्तान अमेरिकन कम्युनिटी सेंटर में हुए जनश्न -ए-वसीम कार्यक्रम में भारतीय तथा पाकिस्तानी मूल के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। वसीम बरेलवी के सम्मान के बाद रात ९बजे अंतराष्ट्रीय मुशायरा शुरू हुआ जो अगले दिन सुबह साढ़े तीन बजे तक चला जिसमें वसीम बरेलवी के अलावा भारतीय शायर ताहिर फराज ,मेराज फैजाबादी, पाकिस्तान, के अब्बास तबिश तथा अमेरिका के डा०नौशा असरार जमीन जाफरी सरफराज आबाद सुश्री हुमेरा रहमान ,इशरत आफरीन तथा डा० शगुफ्ता रियाज ने अपने कलाम पढ़े।हाल में बैठे लोगों को तब हैरानी हुई जब एक गोरे अमेरिकन मैक्स ब्रूस ने बढ़िया उर्दू बोलते हुए खुमार बाराबंकी के शेर तथा गजले सुनायी। वसीम बरेलवी ने मैक्स ब्रूस तथा शान अली खान को असरार अल हक मजाज लिटरेरी अवार्ड प्रदान किया। यह कार्यक्रम अली ऐलुमिनी एसो० आफ टैक्सास के तत्वावधान में हुआ जिसके अध्यक्ष लताफत हुसैन ने सभी शायरों का स्वागत किया। संचालन परवेज जाफरी ने किया मुशायरे की अध्यक्षता वसीम बरेलवी नेकी। वसीम बरेलवी ९अक्टूबर से अब तक अमेरिका हर्टफोर्ड डेट्रॉइट ,डेनेवर, न्यूयार्क ,शिकागों, बोस्टन, आस्टिन तथा इल्लास शहरों के मुशायरों में भी अपने कलाम पढ़ चुके है आगामी १३नवम्बर को वह फोनिक्स तथा १४ नवम्बर को सान फ्रांसिस्कों के मुशायरों में शिरकत करेंगे। रणजीत पांचाले